शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

वार्षिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न पत्र (सत्र: 2025-2026)

कक्षा-दसवीं

हिंदी-अ (कोड 002)

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को पढ़कर उनका पालन कीजिए :

- इस प्रश्न पत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
- इस प्रश्न पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खंड-क

(अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

भारत के किसी भी गाँव की सुबह देखें - प्रसन्न वातावरण में पुताई किया हुआ आँगन, उसमें बनाई हुई सफ़ेद रंगोली और उसमें शुभ सूचना देने वाले हल्दी-कुमकुम का तिलक - लगभग हर दिन का स्वागत ऐसे ही रंगों और रेखाओं से होता है। भारत के प्रत्येक राज्य, समाज और समुदायों की अपनी खास शैली है जिसमें वे रेखाओं और रंगों के माध्यम से अपने रीति-रिवाज और तीज-त्योहारों से जुड़ी परंपराओं को अभिव्यक्त करते हैं। रंगोली की इन रेखाओं से, यह घर या आँगन किस प्रदेश का है? यह आसानी से बताया जा सकता है। महाराष्ट्र की रंगोली, बंगाल की अल्पना, दक्षिण की कोलम या राजस्थान का मंडल ऐसे ही कुछ उदाहरण है। ऐसी ही एक शैली 'मधुबनी चित्रकला' नाम से प्रसिद्ध है। 'मिथिला' का नाम आपने रामकथा में पढ़ा होगा। मिथिला क्षेत्र बिहार में है। इसी मिथिला की कला को 'मधुबनी चित्रकला' कहते हैं। इसके विषय रामायण और मिथिला की संस्कृति पर आधारित होते है। मधुबनी चित्र आमतौर पर घरों पर बनते हैं। पूजाघर, बैठकखाना और शादी का कमरा - ऐसी तीन जगहों पर चित्र बनाने की परंपरा है। आजकल कागज़ पर भी चित्र बनाए जाते हैं। इन चित्रों की सबसे बड़ी विशेषता इनका ग्रामीण लहजा और प्रकृति के नज़दीक होना है। इन चित्रों में प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल होता है। मज़ेदार बात यह है कि रंग सतह पर ठीक से चिपके इसके लिए बकरी के दूध और बबूल के पेड़ के चिक का मिश्रण तैयार किया जाता है। मिथिला की चित्रकृति में आज भी घरों में बनाई गई कूचियों (ब्रश), उँगलियों और माचिस की

तीलियों का ही इस्तेमाल होता है। इन चित्रों में आकर्षक ज्यामितीय पैटर्न देखने को मिलते हैं। मिथिला की स्त्रियों द्वारा शुरू की गई इस घरेलू चित्रकला को अब पुरुषों ने भी अपना लिया है। 'मधुबनी चित्रकला' आज विश्व भर में लोकप्रिय है।

(क) रंगों और रेखाओं के माध्यम से, भारतीय अपनी ____________ को अभिव्यक्त करते हैं। (1)

(i) निराशा और दुख

(ii) संस्कृति और दुख

(iii) निराशा और परंपरा

(iv) संस्कृति और परंपरा

(ख) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए: (1)

कथन : 'मधुबनी चित्रकला' प्रकृति से बहुत दूर है।

कारण : इन चित्रों को बनाने में प्राकृतिक रंगों और वस्तुओं का प्रयोग होता है।

(i) कथन सही है लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(ii) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

(iii) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(iv) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ग) निम्न में से कौन-से विचार गद्यांश के संदर्भ में सही हैं? (1)

I. राजस्थान की अल्पना विश्व भर में प्रसिद्ध है।

II. रामकथा में 'मिथिला' क्षेत्र का वर्णन मिलता है।

III. 'मधुबनी चित्रकला' का विकास बिहार के मिथिला क्षेत्र में हुआ है।

IV. 'मधुबनी चित्रकला' के विषय महाभारत पर आधारित होते हैं।

(i) कथन (I) और (II) सही हैं।

(ii) कथन (II) और (III) सही हैं।

(iii) कथन (II) और (IV) सही हैं।

(iv) कथन (III) और (IV) सही हैं।

(घ) भारत के गाँवों में दिन का स्वागत किस प्रकार होता है? (2)

(ङ) 'मधुबनी चित्रकला' की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। (2)

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

इसी जन्म में,
इस जीवन में,
हमको तुमको मान मिलेगा।
गीतों की खेती करने को,
पूरा हिंदुस्तान मिलेगा॥
क्लेश जहाँ है,
फूल खिलेगा,
हमको तुमको त्राण मिलेगा।
फूलों की खेती करने को,
पूरा हिंदुस्तान मिलेगा॥
दीप बुझे हैं,
जिन आँखों के;
इन आँखों को ज्ञान मिलेगा।
विद्या की खेती करने को,
पूरा हिंदुस्तान मिलेगा॥
मैं कहता हूँ,
फिर कहता हूँ;
हमको तुमको प्राण मिलेगा।
मोरों-सा नर्तन करने को,
पूरा हिंदुस्तान मिलेगा॥

(क) कवि इसी जन्म और इसी जीवन में क्या पाने का अभिलाषी है? (1)

(i) अहंकार
(ii) धन-संपत्ति
(iii) बुद्धिमता
(iv) प्रतिष्ठा

(ख) कवि किस स्थान पर फूल खिलने की बात कर रहा है? (1)

I. जहाँ बंजर ज़मीन हो।
II. जहाँ कोई उत्सव हो।
III. जहाँ लड़ाई-झगड़े हों।
IV. जहाँ कष्ट और पीड़ा हो।

(i) कथन (I) और (II) सही हैं।

(ii) कथन (II) और (III) सही हैं।

(iii) कथन (II) और (IV) सही हैं।

(iv) कथन (III) और (IV) सही हैं।

(ग) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए: (1)

कथन : विद्या की खेती करने को पूरा हिंदुस्तान मिलेगा।

कारण : कवि को स्वतंत्रता मिलने के बाद जन-जन में शिक्षा का प्रचार-प्रसार होने का विश्वास है।

(i) कथन सही है लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(ii) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

(iii) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(iv) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(घ) कवि हिंदुस्तान के स्वतंत्र हो जाने पर किस तरह नाचना चाहता है और क्यों? (2)

(ङ) काव्यांश के आधार पर किन्हीं दो कठिनाइयों का वर्णन कीजिए जो परतंत्र भारत में कवि अनुभव कर रहा है। (2)

खंड-ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (4X1=4)

(क) भगवती बाबू की 'चित्रलेखा' पढ़कर शीला अग्रवाल के साथ लंबी-लंबी बहस की। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) मणि के पूछने पर जितेन हँस पड़ा। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) निशा को खेलना भी अच्छा लगता है और सोना भी। (सरल वाक्य में बदलिए)

(घ) मैं विज्ञान का विद्यार्थी रहा हूँ, मेरी नियमित शिक्षा उसी विषय में हुई। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)

(ङ) मेरे पास एक घड़ी है जो बैटरी से चलती है। (आश्रित उपवाक्य का भेद लिखिए)

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (4X1=4)

(क) कुलसुम ने कलकलाते घी में कचौड़ी डाली। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) यात्रा पर निकला जाए। (वाच्य पहचानकर भेद बताइए)

(ग) नवाब साहब द्वारा खीरा धोया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया। (वाच्य पहचानकर भेद बताइए)

(ङ) तुम खेल नहीं सकती। (भाववाच्य में बदलिए)

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : (4X1=4)

(क) बालगोबिन भगत <u>कबीर</u> को साधु मानते थे।

(ख) पिता जी हमें बड़े प्यार से 'भोलानाथ' कहकर <u>पुकारा करते</u>।

(ग) हिमालय बड़ा होते-होते <u>विशालकाय</u> होने लगा।

(घ) ड्राइवर ने <u>जोर से</u> ब्रेक मारे।

(ङ) <u>हमने</u> सारी कविताएँ पढ़ ली हैं।

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों की रेखांकित काव्य पंक्तियों में अलंकार पहचान कर लिखिए : (4X1=4)

(क) <u>कलियाँ दरवाज़े खोल-खोल जब झुरमुट में मुसकाती हैं।</u>

(ख) सूरदास अबला हम भोरी, <u>गुर चाँटी ज्यौं पागी।</u>

(ग) <u>नेत्र मानो कमल हैं।</u>

(घ) मैया मैं तो <u>चंद्र खिलौना लैहों</u>।

(ङ) <u>राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार</u>।

खंड-ग

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए- (5X1=5)

वही पुराना बालाजी का मंदिर जहाँ बिस्मिल्ला खाँ को नौबतखाने रियाज़ के लिए जाना पड़ता है। मगर एक रास्ता है बालाजी मंदिर तक जाने का। यह रास्ता रसूलनबाई और बतूलनबाई के यहाँ से होकर जाता है। इस रास्ते से अमीरुद्दीन को जाना अच्छा लगता है। इस रास्ते न जाने कितने तरह के बोल-बनाव कभी ठुमरी, कभी टप्पे, कभी दादरा के मार्फत ड्योढ़ी तक पहुँचते रहते हैं। रसूलन

और बतूलन जब गाती हैं तब अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है। अपने ढेरों साक्षात्कारों में बिस्मिल्ला खाँ साहब ने स्वीकार किया है कि उन्हें अपने जीवन के आरंभिक दिनों में संगीत के प्रति आसक्ति इन्हीं गायिका बहिनों को सुनकर मिली है। एक प्रकार से उनकी अबोध उम्र में अनुभव की स्लेट पर संगीत प्रेरणा की वर्णमाला रसूलनबाई और बतुलनबाई ने उकेरी।

वैदिक इतिहास में शहनाई का कोई उल्लेख नहीं मिलता। इसे संगीत शास्त्रांतर्गत 'सुषिर-वाद्यों' में गिना जाता है। अरब देश में फूँककर बजाए जाने वाले वाद्य जिसमें नाड़ी (नरकट या रीड) होती है, को नय बोलते हैं। शहनाई को 'शाहेनय' अर्थात् 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि दी गई है।

(क) बिस्मिल्लाह खाँ पुराने बालाजी के मंदिर में ______ जाते थे।

(i) प्रसाद ग्रहण करने
(ii) पूजा-अर्चना करने
(iii) शिष्यों को संगीत सिखाने
(iv) संगीत का अभ्यास करने

(ख) बिस्मिल्लाह खाँ के संबंध में सही कथन का चयन कीजिए?

I. उन्हें संगीत की प्रेरणा रसूलन और बतूलन बहनों से मिली।
II. उन्हें बचपन में अमीरुद्दीन नाम से बुलाया जाता था।
III. उन्हें सुबह-सुबह दौड़ लगाने के लिए उठना पड़ता था।
IV. उन्हें संगीत से अधिक अपनी मित्र-मंडली से प्यार था।

विकल्प :

(i) कथन I और II सही हैं।
(ii) कथन III और IV सही हैं।
(iii) केवल कथन II सही है।
(iv) कथन I, II और III सही हैं।

(ग) कथन और कारण को पढ़कर उचित विकल्प चुनिए:

कथन : वैदिक इतिहास में शहनाई का वर्णन अनेक स्थलों पर मिलता है।

कारण : शहनाई के बिना कोई भी मंगल कार्य वैदिक काल में पूर्ण नहीं होता था।

विकल्प :

(i) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(ii) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(iii) कथन (A) सही है और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

(iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(घ) गद्यांश में आए ठुमरी, टप्पे और दादरा आदि शब्दों का संबंध है -

(i) बनारस के मोहल्लों से

(ii) बनारस के व्यंजनों से

(iii) गायन की शैली से

(iv) पूजा की पद्धति से

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश में वर्णन है -

I. बिस्मिल्लाह ख़ाँ के पुरस्कृत होने का

II. बिस्मिल्लाह ख़ाँ के बचपन का

III. रसूलन और बतूलन की प्रसिद्धि का

IV. शहनाई के इतिहास और गुण का

विकल्प :

(i) कथन I और III सही हैं।

(ii) कथन II और IV सही हैं।

(iii) केवल कथन I सही है।

(iv) कथन I, II और IV सही हैं।

प्रश्न 8. निर्धारित गद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए: (3X2=6)

(क) हालदार साहब जब भी कस्बे से गुजरते तो चौराहे पर लगी नेता जी की मूर्ति पर चश्मा बदला हुआ देखते। मूर्ति पर चश्मा बदलते रहने का क्या कारण था?

(ख) बालगोबिन भगत की 'गर्मियों की संझा' के दृश्य का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

(ग) 'संस्कृति' पाठ के लेखक किन तर्कों के आधार पर न्यूटन को 'संस्कृत मानव' कहते हैं? क्या आप भी उनसे सहमत हैं?

(घ) नवाब साहब किस वर्ग के प्रतीक हैं? उनके प्रति आपकी राय क्या है? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: (5X1=5)

ऊधौ**,** तुम हौ अति बड़भागी।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद ना ताकौं लागी।
प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।।

(क) गोपियों के अनुसार उद्धव भाग्यशाली हैं क्योंकि -

(i) वे प्रत्येक क्षण कृष्ण के साथ रहते हैं।

(ii) उन्हें ब्रज के गाँव देखने का अवसर मिला है।

(iii) वे नगरीय जीवन का सुख भोगते हैं।

(iv) वे कृष्ण के प्रेम और स्नेह से अछूते हैं।

(ख) काव्यांश में प्रयुक्त हुए कमल के पत्ते के संदर्भ में सही विकल्प का चयन कीजिए -

I. गोपियों ने उद्धव की तुलना कमल के पत्तों से की है।

II. कृष्ण ने गोपियों के लिए कमल के पत्ते उपहारस्वरूप भिजवाएँ हैं।

III. कमल के पत्ते चिकित्सा के लिए औषधि बनाने के काम आते हैं।

IV. जल में रहने पर भी कमल के पत्तों पर कोई दाग नहीं पड़ता।

विकल्प

(i) कथन I और IV सही है।

(ii) कथन II, III और IV सही है।

(iii) कथन I, II और III सही है।

(iv) कथन I, III और IV सही है।

(ग) गोपियों के अनुसार उद्धव ने अब तक क्या नहीं किया है?

(i) मीठे गुड़ का स्वाद नहीं चखा है।

(ii) तेल से भरी गगरी नहीं उठाई है।

(iii) प्रेम रूपी नदी में पैर नहीं डुबाए हैं।

(iv) प्रेम रूपी नदी में डुबकी नहीं लगाई है।

(घ) कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन : गोपियाँ स्वयं को असहाय और कमज़ोर मानती हैं।

कारण : कृष्ण के प्रेम ने उनके सभी सुखों को छीन लिया है।

(i) कथन सही है लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(ii) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

(iii) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(iv) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ङ) उद्धव के प्रति गोपियों के कथन किस भाव को प्रदर्शित कर रहे हैं?

(i) घृणा

(ii) प्रेम

(iii) दया

(iv) व्यंग्य

प्रश्न 10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए। (3X2=6)

(क) 'इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं' - पंक्ति के द्वारा लक्ष्मण परशुराम से क्या कह रहे हैं? लक्ष्मण ने अपने व्यवहार को उचित ठहराते हुए क्या तर्क दिया?

(ख) 'आत्मकथ्य' कविता में जयशंकर प्रसाद मित्रों के द्वारा बार-बार कहने पर भी आपबीती कहने से कतरा रहे हैं। आप अपनी आपबीती जग को सुनाना चाहेंगें या नहीं? कारण बताते हुए उत्तर लिखिए।

(ग) 'उत्साह' कविता क्रांति और बदलाव की कविता किस प्रकार है? किन्हीं दो बिंदुओं से स्पष्ट कीजिए।

(घ) मुख्य गायक को अकसर संगतकार की जरूरत क्यों पड़ती है? 'संगतकार' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11. पूरक पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए: (2X4=8)

(क) कृतिकार की ईमानदारी से आप क्या समझते हैं? 'मैं क्यों लिखता हूँ' के लेखक ने इस ईमानदारी के समक्ष किस तरह की लेखकीय विवशताओं का उल्लेख किया है?

(ख) 'साना-साना हाथ जोड़ि' की लेखिका महानगरों को 'डार्करूम' क्यों कहती है? महानगरों को इस डार्करूम से बचाने के लिए हम क्या प्रयास कर सकते हैं?

(ग) यह स्वाभाविक है कि बच्चा माता या पिता किसी एक से अधिक नजदीकी का अनुभव करता हो - पाठ 'माता का अँचल' के भोलानाथ के संदर्भ से इस कथन पर प्रकाश डालें। इसके साथ ही अपने जीवन के अनुभव से इसके पक्ष या विपक्ष में टिप्पणी कीजिए।

खंड-घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (1X6=6)

(क) आत्मनिर्भर भारत

- आत्मनिर्भरता आवश्यक क्यों?
- अभियान का प्रभाव
- बाधाएँ और सुझाव

(ख) ऑनलाइन खरीदारी: व्यापार का बदलता स्वरूप

- वर्तमान में इसकी अनिवार्यता
- सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव
- सुझाव

(ग) पॉलीथिन थैलियों पर अनिवार्य प्रतिबंध

- पॉलीथिन थैलियों का प्रचलन
- प्रतिबंध की आवश्यकता
- सरकार और आम आदमी का सहयोग

प्रश्न 13. (क) आप कविता/कुणाल हैं, जो एक इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ रहे हैं। आपके छोटे भाई/बहन की दसवीं की परीक्षा है। उसे परीक्षा की तैयारी के विषय में सुझाव देते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। (1X5=5)

अथवा

(ख) आपका नाम कविता/कुणाल हैं। आप अपने क्षेत्र के पार्क में 'रीडिंग क्लब' खोलना चाहते हैं। आज्ञा लेने हेतु दिल्ली नगर निगम के उप-आयुक्त को पत्र लिखिए।

प्रश्न 14. (क) आपका नाम **मनजीत/मोनिका** है। घर बदलने के कारण आप अपने बैंक खाता की गृह-शाखा (होम ब्रांच) को बदलवाना चाहते हैं। बैंक के प्रबंधक (मैनेजर) को 80 शब्दों का ई-मेल लिख कर निवेदन कीजिए। (1X5=5)

अथवा

(ख) आपका नाम **मनजीत/मोनिका** है। 'भारत टाइम्स' दैनिक समाचार पत्र में संवाददाता के पद के लिए रिक्तियाँ निकली हैं। आप उक्त पद की योग्यता (बी.जर्नलिज़्म / पत्रकारिता में स्नातक) को धारण करते हैं। उक्त समाचार पत्र के संपादक को आवेदन भेजने हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त लिखिए।

प्रश्न 15. (क) सोलर बल्ब और लाइट बनाने वाली कंपनी 'ऊर्जा' के लिए लगभग 40 शब्दों का एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए । (1X4=4)

अथवा

(ख) 'शिक्षक दिवस' के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के विद्यार्थियों को प्राचार्य/प्राचार्या की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक साधुवाद बधाई संदेश लिखिए।